14
भारतीय नौसेना

भारतीय नौसेना भारतीय सशस्त्र बल का वह भाग है जो भारतीय समुद्र तटीय सीमा क्षेत्र की रक्षा करती है। भारतीय जहाजों व बेड़ों की समुद्र में रक्षा करने का दायित्व भी भारतीय नौसेना का है। यह नौसेना कर्मियों तथा जहाजों की दृष्टि से विश्व की सबसे बड़ी नौसेना है।

भारत के पास अपनी नौसेना का हजारों साल का पुराना इतिहास है। इस इतिहास का प्रारंभ लगभग 3000 ई. पू. से होता है। इस समय सिंधु घाटी सभ्यता के लोगों का मेस्टोपोटामिया से समुद्री रास्ते से व्यापारिक रिश्ता था।
गुजरात के लोथल में ज्वार भाटा केंद्र का मिलना इसका प्रमाण है। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में नवाध्यक्ष (जहाजों के निरीक्षक पद) के विभाग का उल्लेख समुद्री व्यापार के विकास को उजागर करता है। दक्षिण में प्राचीन तमिल चोल साम्राज्य, मराठों व केरल के जेमोरिन्स के पास 16वीं तथा 17वीं शताब्दी में जहाजी बेड़े थे। आपने 'प्राचीन सेनाओं' के पिछले अध्याय में इनका अध्ययन किया है।

उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ को पढ़ने के बाद आप:-
- भारतीय नौसेना की उत्पत्ति व विकास को स्पष्ट कर पाएँगे;
- भारतीय नौसेना का महत्व व जिम्मेदारी को रेखांकित कर पाएँगे;
- भारतीय नौसेना के संरचना स्वरूप को दर्शा सकेंगे;
- भारतीय नौसेना की विभिन्न शाखाओं की पहचान कर पाएँगे।

14.1 भारतीय नौसेना की उत्पत्ति व विकास

(क) भारतीय नौसेना का इतिहास 1612 से शुरु होता है जब कैप्टन बेस्ट ने पुर्तगालियों को हराया। भारतीय नौसेना के कारण ही ईस्ट इंडिया कंपनी का व्यापार कैम्बे की खाड़ी तथा ताप्ती व नर्मदा नदी के मुहाने पर सुरक्षित था। ईस्ट इंडिया कंपनी 01 मई 1830 को ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन आई तथा नौसेना को योद्धा का पद प्राप्त हुआ। तत्पश्चात् इसे 1858 में हर मैजेस्टी इंडियन नेवी का अधिकारिक नाम दिया गया।

तत्पश्चात 1863 में इसको दो शाखाएं- बॉम्बे तथा कलकत्ता में व्यवस्थित किया गया। बाम्बे में यह बाम्बे समुद्री सेना तथा बंगाल में बंगाली समुद्री सेना कहलाती थी। इसके पश्चात् इसे शाही भारतीय नौसेना (The Royal Indian Navy - RIN) कहा गया जो ब्रिटिश शासन के अधीन थी। सब लेफ्टिनेंट डी.एन. मुखर्जी कमीशन प्राप्त करने वाले पहले भारतीय थे। द्वितीय विश्व युद्ध के समय भारतीय नौसेना में 8 युद्ध पोत थे और युद्ध खत्म होते समय, नौसेना की शक्ति बढ़कर 117 समुद्री जहाज तथा 30,000 सैनिक हो गई थी।

(ख) स्वतंत्रता पश्चात् भारतीय नौसेना में 32 पुराने जहाज थे जो तटीय सुरक्षा व पेट्रोलिंग के काम आते थे। आजादी के बाद प्रथम मुख्य कमांडर थे आर. एडमिरल आईटीएस हाल सीआईई 15 अगस्त 1947 को बँटवारे के पश्चात् भारतीय नौसेना के बेड़ों को भारत व पाकिस्तान के बीच बराबर-बराबर बाँटा गया था।

(ग) भारतीय नौसेना की सर्वप्रथम कार्रवाई 1961 में गोवा को पुर्तगालियों से आजादी दिलवाना था। इस योजना को 'ऑपरेशन विजय' कहा गया। इसमें भारतीय नौसेना ने पैदल सेना की सहायता के लिए फायर करने का काम किया। 1962 में भारत-चीन युद्ध में भी नौसेना की सीमित भूमिका थी। 1965 के भारत-पाक युद्ध में तटीय क्षेत्र में पेट्रोलिंग में नौसेना ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। इस युद्ध में पाकिस्तानी नौसेना ने गुजरात में द्वारका पर आक्रमण किया क्योंकि इस स्थान पर कोई नौसेना संसाधन नहीं थे। भारत ने तटीय क्षेत्र पर और बम्ब गिराने से रोकने के लिए नौ सेना संसाधन लगाए।

(घ) 1971 के भारत-पाक युद्ध में भारतीय नौ सेना की क्षमता को दिखाया गया। भारतीय नौसेना ने पूर्वी तथा पश्चिमी पाकिस्तान की घेराबंदी रास्ते को रोक दिया गया। पाकिस्तान की सबसे बड़ी पनडुब्बी PNS - Ghazi विशाखापत्तनम में डुबो दी गई। 4 दिसंबर, 1971 को 'ऑपरेशन ट्राईडेंट' के दौरान कराची पर हुए भारतीय नौसैनिक हमले में एक माइन स्वीपर, एक ड्रेस्ट्रायर और गोला बारूद की आपूर्ति करने वाले जहाज को डुबो दिया गया। कराची बंदरगाह पर खड़े अनेक विनाशक तथा तेल भंडारण टैंक भी नष्ट हो गए। इसी कारण 4 दिसम्बर को नौसेना दिवस के रूप में मनाया जाता है।

चित्र 14.1 : वाईस एडमिरल रामदास कटारिया प्रथम नौसेना मुख्य कमांडर 1958

चित्र 14.2 (a) : भारतीय नौसेना का प्रतीक

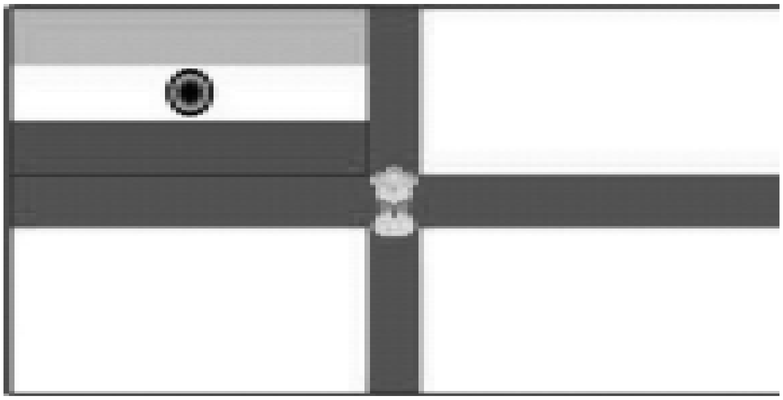

चित्र 14.2 (b) : भारतीय नौसेना का झंडा

14.2 भूमिका व जिम्मेदारी

नौसेना का कार्य युद्ध के समय अपनी सेवाएँ देने से लेकर प्राकृतिक आपदा में लोगों की मानवीय मदद करना है। इस कार्य को विभिन्न क्षेत्रों में बाँटा जा सकता है। नौसेना के चार मुख्य भूमिकाएँ अधोलिखित हैं-

14.2.1 सेना

इस क्षेत्र में नौसेना अपनी शक्ति का प्रयोग दुश्मनों की सेना, क्षेत्र और व्यापार के विरुद्ध करती है तथा अपने क्षेत्र, सेना व व्यापार की रक्षा करती है। इस क्षेत्र में निम्न कार्य आते हैं-

- तटीय क्षेत्रों की निगरानी करना।
- समुद्र में आक्रमण करना
- पनडुब्बी विरोधी कार्रवाइयाँ
- थलीय कार्रवाईयों के विरुद्ध कार्रवाई करना।
- हवाई हमले के विरुद्ध कार्रवाई करना।
- सैनिकों को युद्ध क्षेत्र में ले जाना
- सूचना संबंधी कार्रवाईयाँ

14.2.2 कूटनीतिक

नौसेना कूटनीति की दृष्टि से विदेशी नीति में सहायता प्रदान करने हेतु बनाने तथा अंतर्राष्ट्रीय मित्रता सहयोग मजबूत करने का कार्य करती है। इसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं।

- सागर में सैनिकों की नियुक्ति।
- विदेश जाने वाले भारतीय नौ सेना जहाजों को झंडा दिखाना तथा बंदरगाहों का दौरा करना।

- भारत दौरे पर आए विदेशी जहाजों की मेजबानी करना।
- विदेशी जहाजों को तकनीकी तथा अन्य प्रकार की सहायता देना।
- विश्व में प्रशिक्षण – भारतीय नौसेना कर्मियों द्वारा मित्र देशों के नौ सेना कर्मचारियों को प्रशिक्षण देना।
- समुद्री निगरानी
- द्विपक्षीय/बहुपक्षीय युद्धाभ्यास
- युद्ध के अतिरिक्त असैनिक निकासी
- संयुक्त राष्ट्र के निवेदन पर शांति बनाए रखना तथा शांति स्थापना में सहायता देना।

14.2.3 नौ सेना रक्षा दल (Constabulary)

समुद्री अपराध की बढ़ती घटनाओं ने नौसेना पुलिस की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। इस दल का काम अंतर्राष्ट्रीय कानून के आधार पर बने समुद्री नियमों का पालन कराना है। भारतीय कोस्ट गार्ड का गठन फरवरी 1978 में हुआ था। इसका कार्य भारतीय समुद्री भागों (Maritime Zones of India, MZI) में कानून को लागू करना है। भारतीय समुद्री क्षेत्रों से बाहर की निगरानी का काम भारतीय नौ सेना के पास है।

- समुद्री घुसपैठ के विरुद्ध काम करना
- समुद्री डकैती से बचाव करना।
- अवैध शिकार विरोधी
- तस्करी विरोधी

14.2.4 सौम्य कार्य

इस प्रकार के कार्यों में मानवीय सहायता, आपदा राहत कार्य, ढूंढना और बचाना (Search and Rescue), युद्ध सामग्री निपटान, गोता खोरी में सहायता बचाव के कार्य, जल सर्वेक्षण इत्यादि सम्मिलित होते हैं। कुछ कार्य निम्नलिखित हैं–

- सहायता सामग्री का प्रबंध तथा आपूर्ति
- उपचार संबंधी सहायता देना।
- गोताखोरी में सहायता देना।
- जल सर्वेक्षण करना।

14.3 नौसेना की संगठनात्मक संरचना

नौसेनाध्यक्ष या नौसेनापति, नौसेना का प्रमुख होता है। भारतीय नौसेना की तीन कमांड हैं-

1. पश्चिमी नौसेना कमांड, मुंबई
2. पूर्वी नौसेना कमांड, विशाखापत्तनम
3. दक्षिण नौसेना कमांड, कोच्चि
4. अंडमान व निकोबार कमांड, पोर्ट ब्लेयर (भारतीय सेना के तीनों अंगों की एकीकृत कमांड)

- नौसेना स्टाफ के प्रमुख
  - नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख
    - नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख (संचालन)
    - नौसेना स्टाफ के उप प्रमुख (खुफिया)
    - कार्मिक प्रमुख
    - गोदी के प्रमुख
    - महानिदेशक तट रक्षक
  - फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग इन चीफ वेस्टर्न लेवल कमांड
  - चीफ ईस्टर्न लेवल कमांड में फ्लैग ऑफिसर कमांड
  - मुख्य दक्षिणी नौसेना में फ्लैग ऑफिसर कमांड

14.4 भारतीय नौसेना की शाखाएँ

14.4.1 नौसेना हवाई शाखा

यह भारतीय नौसेना का एक महत्वपूर्ण भाग है। इसके अंतर्गत मिग-29K जेट तथा हेलिकॉप्टर आते हैं जो हवाई जहाज लेकर चलने वाले जलपोतों से चलते हैं। कामोव (Kamov)-31 एक ऐसा जहाज है जो नौसेना बेड़े को खतरे की चेतावनी देता है। पनडुब्बी विरोधी भूमिका के लिए सी.किंग. केए28 (Sea King ka -28) तथा पनडुब्बी ध्रुव का प्रयोग किया जाता है। बोइंग P-8 पोजेडन और इल्यूशिन, 38 को समुद्री पेट्रोलिंग तथा टोही कार्य के लिए लगाया जाता है। UAV के अंतर्गत हेरोन तथा सर्चर-II आदि पोत आते हैं जिनको जहाज तथा समुद्री तट से निगरानी के लिए चलाया जा सकता हैं।

14.4.2 रैंक संरचना

कमीशंड अफसरों की रैंक संरचना निम्नलिखित है।

Admiral of the Fleet पोत का एडमिरल
|
Admiral एडमिरल
|
Vice-Admiral वाइस एडमिरल
|
Rear-Admiral रियर एडमिरल
|
Commondore कमाडोर
|
Captain कैप्टन
|
Commander कमांडर
|
Leiutenant Commander लेफ्टिनेंट कमांडर
|
Leuitenant लेफ्टिनेंट
|
Sub-Leiutenant सब–लेफ्टिनेंट

जूनियन कमीशंड अफसरों की रैंक संरचना निम्नलिखित है–

Master Chief Petty Officer First Class मास्टर चीफ पैटी आफिसर फर्स्ट क्लास
|
Master Chief Petty Officer Second Class मास्टर चीफ पैटी आफिसर सेकेंड क्लास
|
Chief Petty Officer चीफ पैटी आफिसर
|
Petty Officer पैटी आफिसर
|
Leading Seaman लीडिंग सी–मैन

14.4.3 बेड़ा

भारतीय नौसेना में एक विशाल कार्यशील बेड़ा शामिल है जिसमें भारतीय तथा विदेशी दोनों प्रकार के जहाज़ शामिल हैं।

- **पनडुब्बी बेड़ा (Submarine Fleet)**

  (क) परमाणु शक्ति वाली पनडुब्बियाँ (ख) पारंपरिक पनडुब्बियाँ

- **सतह का बेड़ा**

  (क) हवाई जहाज वाहक (ख) विनाशक (Destroyer)

  (ग) फ्रिगेट (Frigates) (घ) उभयचर पोत (Amphibiais Ships)

  (ङ) वाहक (Corvettes)

  (च) काउंटर मेसर जहाज़ (Mine Counter Measure Vesselas)

  (छ) ट्रोपीडो रिकवरी जहाज़ (Tarpedo recovery Vessel)

  (ज) अपतटीय निगरानी (Offshore Patrol)

  (झ) निगरानी जहाज़ (ञ) निगरानी नाव

- **सहायक बेड़ा**

  (क) रख-रखाव करने वाला जहाज़ (Replishment Ships)

  (ख) खोज एवं टोही जहाज़ (Research and Survey)

  (ग) प्रशिक्षण जहाज़ (Training Vessels)

  (घ) तुगबोट्स (Tugboats)

14.4.3 उपकरण

क्रूज मिसाइल प्रणाली

- Klub SS-N-27
- निर्भय क्रूज मिसाइल
- ब्रहमोस - एंटीशिप मिसाइल प्रणाली

टोही विमान

- P-81 नेप्च्यून जो प्रत्येक मौसम में सक्रिय, रडार से सुसज्जित होता है।

जहाजों द्वारा छोड़ी गई स्वदेशी मिसाइल

- पृथ्वी-II (धनुष) - 350 किलोमीटर
- K-15 सागरिका (समुद्री) पनडुब्बी जिसने बैलिस्टिक मिसाइल 700 किलोमीटर छोड़ी

नौसेना उपग्रह

1. GSAT - 7

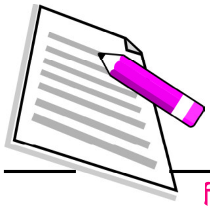

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 14.1

1. भारतीय नौसेना का पहला कमांडर इन चीफ़ कौन था?
2. भारतीय नौसेना की कोई तीन जिम्मेदारियाँ लिखिए।
3. भारतीय नौसेना के कमीशन प्राप्त अधिकारियों के कोई तीन रैंक लिखिए।

आपने क्या सीखा

- भारतीय नौसेना की उत्पत्ति व विकास।
- सैन्य कूटनीतिक तथा पुलिस से संबंधित भारतीय नौसेना की भूमिका तथा जिम्मेदारियां
- नौसेना की संगठनात्मक संरचना।
- विभिन्न बेड़ों के नाम व उनकी जानकारी।
- भारतीय नौसेना के द्वारा प्रयोग किए जाने वाले उपकरण

पाठांत प्रश्न

1. भारतीय नौसेना के विकास का वर्णन कीजिए।
2. भारतीय नौसेना की प्रमुख भूमिकाएँ क्या हैं?
3. भारतीय नौसेना की संगठनात्मक संरचना का वर्णन कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

14.1

1. वाइस एडमिरल रामदास कटारिया।
2. समुद्र की रक्षा, भारतीय व्यवसायिक जहाजों तथा अन्य समुद्री संपदाओं की सुरक्षा और तटीय निगरानी।
3. लेफ्टीनेंट, कमांडर और कैप्टन